HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : AUGUST 14, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भूमध्य रेखा पश्चिमी गोलार्ध की अपेक्षा पूर्वी गोलार्ध में अधिक स्थलीय क्षेत्र से होकर गुजरती है।
2. अंटार्कटिका को छोड़कर सभी महाद्वीपों का कुछ भाग भूमध्य रेखा के उत्तर और दक्षिण दोनों ओर स्थित है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) न तो एक और न ही दो

(d) एक और दो दोनों

उत्तर: (a)

व्याख्या:

भूमध्य रेखा पश्चिमी गोलार्ध में दक्षिण अमेरिका से होकर गुजरती है, जबकि पूर्वी गोलार्ध में यह अफ्रीका और अनेक द्वीपों से होकर गुजरती है। केवल अफ्रीका ही भूमध्य रेखा पर दक्षिण अमेरिका की तुलना में अधिक स्थलीय विस्तार प्रदान करता है; अतः कथन 1 सही है।

अंटार्कटिका पूर्णतः भूमध्य रेखा के दक्षिण में स्थित है, जिससे कथन 2 गलत हो जाता है। अन्य महाद्वीप जैसे अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका तथा एशिया के कुछ भाग (इंडोनेशियाई द्वीपों के माध्यम से) भूमध्य रेखा के दोनों ओर स्थित हैं।

प्रश्न 2: निम्नलिखित में से कौन-सा महासागरीय धारा और समीपवर्ती तटीय मरुस्थल का युग्म सही रूप से मेल खाता है?

(a) कैनरी धारा – अटाकामा मरुस्थल

(b) बेंगुएला धारा – नामीब मरुस्थल

(c) पेरू धारा – कालाहारी मरुस्थल

(d) कैलिफ़ोर्निया धारा – सोनोरन मरुस्थल

उत्तर: (b)

व्याख्या:

महाद्वीपों के पश्चिमी तटों के साथ बहने वाली शीत महासागरीय धाराएँ वायुमंडल को स्थिर बनाकर तथा वाष्पीकरण को कम करके तटीय शुष्कता उत्पन्न करती हैं। बेंगुएला धारा अफ्रीका के दक्षिण-पश्चिमी तट के साथ बहती है और नामीब मरुस्थल की अत्यधिक शुष्क परिस्थितियों के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी है।

कैनरी धारा का संबंध सहारा मरुस्थल से है, पेरू (हम्बोल्ट) धारा का संबंध अटाकामा मरुस्थल से है, तथा कैलिफ़ोर्निया धारा बाजा कैलिफ़ोर्निया और सोनोरन-मोजावे क्षेत्र के कुछ भागों में शुष्कता को प्रभावित करती है। इसलिए केवल विकल्प (b) सही रूप से मेल खाता है।

प्रश्न 3: जेट धाराओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट धाराएँ शीत ऋतु में अधिक प्रबल होती हैं क्योंकि ध्रुव-भूमध्य रेखा तापांतर अधिक होता है।
2. भारत के ऊपर उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट ग्रीष्म ऋतु में तिब्बती पठार के तीव्र ताप के कारण विकसित होती है।
3. ध्रुवीय फ्रंट जेट धाराएँ सामान्यतः उपोष्णकटिबंधीय जेट धाराओं की अपेक्षा अधिक ऊँचाई पर पाई जाती हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 सही है, क्योंकि शीत ऋतु में अधिक प्रबल मध्यरेखीय (मेरिडियनल) ताप प्रवणता उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी पवनों को तीव्र करती है।

कथन 2 सही है, क्योंकि ग्रीष्म ऋतु में तिब्बती पठार के तीव्र ताप के कारण उच्च स्तर पर पूर्वी पवनें (उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट) स्थापित होती हैं, जो भारतीय मानसून से संबंधित हैं।

कथन 3 गलत है। उपोष्णकटिबंधीय जेट धाराएँ सामान्यतः अधिक ऊँचाई (लगभग 12-16 किमी) पर पाई जाती हैं, जबकि ध्रुवीय फ्रंट जेट धाराएँ अपेक्षाकृत कम ऊँचाई (लगभग 9-12 किमी) पर पाई जाती हैं।

अतः दो कथन सही हैं।

प्रश्न 4: कार्स्ट स्थलाकृति के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कार्स्ट स्थलरूप मुख्यतः उच्च वर्षा और मोटी चूना-पत्थर परतों वाले क्षेत्रों में विकसित होते हैं।
2. सिंकहोल और डोलाइन भूमिगत विलयन (घुलन) की सतही अभिव्यक्तियाँ हैं।
3. स्टैलैक्टाइट और स्टैलैग्माइट चूना-पत्थर की छतों के यांत्रिक अपक्षय से बनते हैं।
4. कार्स्ट जलभृत सामान्यतः उच्च रंध्रता लेकिन कम पारगम्यता द्वारा विशेषित होते हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

कथन 1 सही है, क्योंकि आर्द्र जलवायु कार्बोनेट शैलों के रासायनिक विलयन को बढ़ावा देती है।

कथन 2 सही है। सिंकहोल और डोलाइन भूमिगत गुहाओं के ऊपर चूना-पत्थर के धंसने या घुलने के कारण बनते हैं।

कथन 3 गलत है। स्टैलैक्टाइट और स्टैलैग्माइट टपकते जल से कैल्शियम कार्बोनेट के रासायनिक अवक्षेपण से बनते हैं, न कि यांत्रिक अपक्षय से।

कथन 4 गलत है। कार्स्ट जलभृत सामान्यतः नलिकाओं और गुफाओं की उपस्थिति के कारण उच्च द्वितीयक पारगम्यता से युक्त होते हैं।

अतः केवल दो कथन सही हैं।

प्रश्न 5: कथन-कारण प्रकार

कथन (A): उपोष्णकटिबंधीय अक्षांशों में महाद्वीपों के पश्चिमी तटों पर प्रायः शीत महासागरीय धाराएँ और तटीय मरुस्थल पाए जाते हैं।

कारण 1 (R1): प्रचलित व्यापारिक पवनें पश्चिमी महाद्वीपीय तटों से सतही जल को दूर ले जाती हैं, जिससे ठंडे जल का अपवेलिंग होता है।

कारण 2 (R2): उपोष्णकटिबंधीय उच्च दाब पट्टियों में अवरोही वायु बादल निर्माण और वर्षा को दबा देती है।

(a) A सही है तथा R1 और R2 दोनों सही हैं और A की व्याख्या करते हैं
(b) A सही है लेकिन R1 और R2 में से केवल एक A की व्याख्या करता है
(c) A सही है लेकिन न तो R1 और न ही R2 A की व्याख्या करते हैं
(d) A गलत है लेकिन R1 और R2 सही हैं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी महाद्वीपीय तट (जैसे नामीब और अटाकामा क्षेत्र) पूर्वी सीमा की शीत धाराओं तथा शुष्क जलवायु परिस्थितियों के साथ संबद्ध होते हैं।

कारण 1 महासागरीय प्रक्रिया की सही व्याख्या करता है: व्यापारिक पवनें अपतटीय एकमैन परिवहन उत्पन्न करती हैं, जिससे ठंडे जल का अपवेलिंग होता है।

कारण 2 वायुमंडलीय प्रक्रिया की सही व्याख्या करता है: हैडली परिसंचरण की अवरोही शाखाएँ शुष्क और स्थिर वायु परिस्थितियाँ उत्पन्न करती हैं।

दोनों कारण मिलकर कथन की पूर्ण व्याख्या करते हैं।

SIXSIGMAIAS
Dream | Dare | Deliver

दैनिक अभ्यास प्रश्न - करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में पाया जाने वाला **जंगली बैक्टीरियन ऊँट**, मध्य एशिया के पालतू बैक्टीरियन ऊँट से आनुवंशिक रूप से भिन्न है।
2. भारत में, बैक्टीरियन ऊँट की आबादी यूनेस्को (UNESCO) के 'मैन एंड बायोस्फीयर' कार्यक्रम के तहत अधिसूचित एक **शीत मरुस्थल बायोस्फीयर रिजर्व** तक सीमित है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) न तो एक और न ही दो (d) एक और दो दोनों

उत्तर: (b) व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** जंगली बैक्टीरियन ऊँट (*Camelus ferus*) पालतू बैक्टीरियन ऊँट (*Camelus bactrianus*) से आनुवंशिक रूप से भिन्न होता है। भारतीय आबादी (नुब्रा घाटी, लद्दाख) में मुख्य रूप से पालतू बैक्टीरियन ऊँट शामिल हैं जो सिल्क रूट व्यापार के माध्यम से लाए गए थे।
- **कथन 2 सही है:** भारत में बैक्टीरियन ऊँटों की आबादी **शीत मरुस्थल बायोस्फीयर रिजर्व** (हिमाचल प्रदेश-लद्दाख क्षेत्र) में स्थित है, जो यूनेस्को के 'मैन एंड बायोस्फीयर' कार्यक्रम का हिस्सा है।

प्रश्न 2: हाल ही में चर्चा में रही 'नारायण रामचंद्रन समिति' मुख्य रूप से किसके लिए गठित की गई थी?

(a) भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) अनुपालन तंत्र की समीक्षा करना (b) खेल निकायों में शासन मानकों और हितों के टकराव (Conflict-of-interest) के मानदंडों की जांच करना (c) सहकारी बैंकिंग विनियमन में सुधारों की सिफारिश करना (d) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) के पुनर्गठन का सुझाव देना

उत्तर: (b) व्याख्या: युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा **नारायण रामचंद्रन समिति** की नियुक्ति राष्ट्रीय खेल संघों में शासन के मुद्दों की समीक्षा करने के लिए की गई थी, विशेष रूप से न्यायिक हस्तक्षेपों के बाद हितों के टकराव के प्रावधानों और अनुपालन ढांचे की जांच के लिए।

प्रश्न 3: पद्म पुरस्कारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पद्म पुरस्कार भारत के संविधान के **अनुच्छेद 18** के तहत प्रदान किए जाते हैं।
2. पद्म पुरस्कारों के लिए सिफारिशें प्रधानमंत्री द्वारा गठित एक समिति द्वारा की जाती हैं, जिसमें कैबिनेट सचिव और गृह सचिव शामिल होते हैं।
3. पद्म पुरस्कार मरणोपरांत भी दिया जा सकता है और इसे भारत के राष्ट्रपति द्वारा वापस भी लिया जा सकता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b) व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** अनुच्छेद 18 सैन्य और शैक्षणिक विशिष्टताओं को छोड़कर अन्य उपाधियों को समाप्त करता है। पद्म पुरस्कार नागरिक सम्मान हैं और अनुच्छेद 18 के अर्थ में 'उपाधि' नहीं हैं (जैसा कि 1996 में बालाजी राघवन मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्पष्ट किया गया था)।
- **कथन 2 सही है:** पद्म पुरस्कार समिति का गठन प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है और इसमें कैबिनेट सचिव और गृह सचिव जैसे वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं।
- **कथन 3 सही है:** ये पुरस्कार मरणोपरांत दिए जा सकते हैं और राष्ट्रपति द्वारा इन्हें रद्द या निरस्त भी किया जा सकता है।

प्रश्न 4: अगरवुड (Agarwood) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अगरवुड का निर्माण कवक संक्रमण (Fungal infection) के प्रति एक्विलारिया (Aquilaria) पेड़ों की एक रोगविज्ञानी प्रतिक्रिया (Pathological response) के रूप में होता है।
2. भारत CITES परिशिष्ट II के तहत बिना किसी प्रतिबंध के प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले जंगली अगरवुड के निर्यात की अनुमति देता है।
3. अगरवुड उत्पादन को स्थायी रूप से बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर भारत में कृत्रिम टीकाकरण (Artificial inoculation) तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) सभी तीन (d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b) व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** अगरवुड (ऊद) तब बनता है जब एक्विलारिया के पेड़ कवक संक्रमण या चोट के जवाब में राल (Resin) पैदा करते हैं।
- **कथन 2 गलत है:** अगरवुड प्रजातियों के व्यापार को CITES परिशिष्ट II के तहत विनियमित किया जाता है; जंगली कटाई अत्यधिक प्रतिबंधित है, और भारत परमिट के माध्यम से इसके निर्यात को नियंत्रित करता है।
- **कथन 3 सही है:** असम और पूर्वोत्तर भारत में स्थायी रूप से राल उत्पन्न करने और जंगली आबादी पर दबाव कम करने के लिए कृत्रिम टीकाकरण विधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्रश्न 5: जीवन रक्षा पदक पुरस्कारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये मानव जीवन बचाने में वीरता के कार्यों के लिए दिए जाने वाले नागरिक पुरस्कार हैं।

2. इन्हें तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है: सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक, उत्तम जीवन रक्षा पदक और जीवन रक्षा पदक।
3. इनकी घोषणा गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है और ये गृह मंत्रालय द्वारा प्रदान किए जाते हैं।
4. ये पुरस्कार परमवीर चक्र विजेताओं के समान पेंशन लाभ के पात्र हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं? (a) केवल एक (b) केवल दो (c) केवल तीन (d) सभी चार

उत्तर: (c) व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** ये नागरिक जीवन रक्षक वीरता पुरस्कार हैं।
- **कथन 2 सही है:** वीरता की डिग्री के आधार पर इसकी तीन श्रेणियां हैं।
- **कथन 3 सही है:** इनकी घोषणा गणतंत्र दिवस के आसपास गृह मंत्रालय द्वारा की जाती है।
- **कथन 4 गलत है:** इनमें परमवीर चक्र जैसे सैन्य वीरता पुरस्कारों की तरह पेंशन लाभ नहीं मिलता है।

प्रश्न 6: लक्कुंडी (Lakkundi) में हालिया पुरातात्विक उत्खनन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. लक्कुंडी **मलप्रभा नदी बेसिन** में स्थित है।
2. यह स्थल कल्याणी के **पश्चिमी चालुक्यों** के अधीन फला-फूला।
3. उत्खनन से सीढ़ीदार कुओं (पुष्करणी) और वेसर शैली (Vesara style) से प्रभावित मंदिर वास्तुकला का पता चला है।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं? (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3 (c) केवल 1 and 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d) व्याख्या: लक्कुंडी वर्तमान कर्नाटक के मलप्रभा बेसिन क्षेत्र में स्थित है। यह पश्चिमी चालुक्यों (कल्याणी चालुक्यों) के अधीन समृद्ध हुआ। यह स्थल अपने सीढ़ीदार कुओं (पुष्करणी) और नागर एवं द्रविड़ तत्वों के मिश्रण वाली जटिल **वेसर-शैली** के मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

GS पेपर 1 (भारतीय संस्कृति और इतिहास)

प्रश्न 1 - पश्चिमी चालुक्यों की मंदिर वास्तुकला भारतीय मंदिर वास्तुकला में एक महत्वपूर्ण संक्रमणकालीन चरण (Transitional Phase) का प्रतिनिधित्व करती है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ इसकी विशेषताओं और ऐतिहासिक महत्व का परीक्षण कीजिए।

उत्तर: कल्याणी के पश्चिमी चालुक्यों (10वीं-12वीं शताब्दी ईस्वी) ने भारतीय मंदिर वास्तुकला के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी शैली, जिसे अक्सर **वेसर शैली** कहा जाता है, नागर (उत्तर भारतीय) और द्रविड़ (दक्षिण भारतीय) स्थापत्य परंपराओं के बीच एक संक्रमणकालीन संश्लेषण का प्रतिनिधित्व करती है।

मुख्य स्थापत्य विशेषताएं:

- **मिश्रित अधिरचना (शिखर):** शिखर में वक्रीय नागर तत्वों और स्तरित द्रविड़ रूपों का मिश्रण दिखाई देता है।
- **सोपस्टोन (Soapstone) का उपयोग:** इसने जटिल नक्काशी और अत्यधिक अलंकृत खराद से बने (lathe-turned) स्तंभों के निर्माण को संभव बनाया, जिसे बाद में होयसलाओं ने पूर्णता तक पहुँचाया।
- **सितारे के आकार के मंच और जगती:** मंदिर अक्सर ऊँचे मंचों पर बनाए जाते थे, जिससे उनकी भव्यता बढ़ जाती थी।
- **विस्तृत प्रवेश द्वार और छतें:** अत्यधिक सजी हुई चौखटें और छतों के पैनल पौराणिक विषयों को दर्शाते हैं।
- **पुष्करणी (सीढ़ीदार कुएं):** लक्कुंडी जैसे स्थल परिष्कृत जल वास्तुकला को प्रकट करते हैं।

ऐतिहासिक महत्व:

- प्रारंभिक चालुक्य (बादामी) से होयसला वास्तुकला की ओर परिवर्तन को चिह्नित किया।
- राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को प्रतिबिंबित किया।
- पत्थर की नक्काशी में तकनीकी प्रगति का प्रदर्शन किया।
- सामाजिक-सांस्कृतिक एकीकरण के केंद्रों के रूप में कार्य किया।

इस प्रकार, पश्चिमी चालुक्य मंदिर एक रचनात्मक स्थापत्य प्रयोग के चरण का प्रतीक हैं जिसने मध्यकालीन दक्कन मंदिर परंपराओं को आकार दिया।

GS पेपर 2 (राजव्यवस्था और शासन)

प्रश्न 2 - अनुच्छेद 18 के आलोक में भारत में नागरिक पुरस्कारों की संवैधानिक स्थिति पर चर्चा कीजिए। क्या ऐसे पुरस्कार समानता के सिद्धांत का उल्लंघन करते हैं?

उत्तर: संविधान का अनुच्छेद 18 सैन्य और शैक्षणिक विशिष्टताओं को छोड़कर अन्य सभी 'उपाधियों' (Titles) को समाप्त करता है। भारत रत्न और पद्म पुरस्कारों जैसे नागरिक पुरस्कारों के मुद्दे का परीक्षण **बालाजी राघवन बनाम भारत संघ (1996)** मामले में किया गया था।

संवैधानिक स्थिति:

- सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि नागरिक पुरस्कार अनुच्छेद 18 के अर्थ में 'उपाधि' नहीं हैं।
- ये योग्यता की मान्यता हैं और इनका उपयोग नाम के आगे (Prefix) या पीछे (Suffix) के रूप में नहीं किया जा सकता है।

उल्लंघन का आरोप लगाने वाले तर्क:

- चयन में संभावित राजनीतिकरण।
- एक विशिष्ट श्रेणीबद्ध पदानुक्रम (Elitist Hierarchy) बनाने की संभावना।

वैधता का समर्थन करने वाले तर्क:

- सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना।
- राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना।
- पुरस्कार विजेता उपाधियों का उपयोग 'स्टेटस सिंबल' के रूप में नहीं कर सकते।

सुरक्षा उपाय:

- राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार रद्द किए जा सकते हैं।
- नामांकन के लिए सख्त दिशानिर्देश लागू हैं।

इस प्रकार, यदि नागरिक पुरस्कारों को पारदर्शिता के साथ और बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के प्रशासित किया जाए, तो वे समानता का उल्लंघन नहीं करते हैं।

GS पेपर 3 (पर्यावरण और जैव विविधता)

प्रश्न 3 - भारत के शीत मरुस्थल पारिस्थितिकी तंत्र में बैक्टीरियन ऊँट के पारिस्थितिक और रणनीतिक महत्व का परीक्षण कीजिए।

उत्तर: बैक्टीरियन ऊँट (दो कूबड़ वाला) लद्दाख के शीत मरुस्थल, विशेष रूप से नुब्रा घाटी में निवास करता है।

पारिस्थितिक महत्व:

- अत्यधिक तापमान (-30°C से 40°C) के प्रति अनुकूलित।
- नाजुक शीत मरुस्थल पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग।
- बीज प्रसार में सहायता करता है और जैव विविधता का समर्थन करता है।

आर्थिक और सांस्कृतिक भूमिका:

- ऐतिहासिक रूप से सिल्क रूट व्यापार से जुड़ा हुआ।
- ऊन, दूध और पर्यटन आधारित आजीविका का स्रोत।

रणनीतिक महत्व:

- सीमावर्ती क्षेत्रों के पास ऊँचाई वाले स्थानों पर रसद (Logistics) पहुँचाने में उपयोगी।
- भारत की ट्रांस-हिमालयी विरासत का प्रतीक।

संरक्षण चुनौतियाँ:

- यंत्रीकरण (Mechanization) के कारण संख्या में गिरावट।
- आवास पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव।

इसलिए, पारिस्थितिक स्थिरता और सीमावर्ती क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक स्थिरता के लिए बैक्टीरियन ऊँटों का संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

GS पेपर 4 (नीतिशास्त्र, सत्यनिष्ठा और अभिरुचि)

प्रश्न 4 - नागरिक वीरता के कार्य, जैसे कि जीवन रक्षा पदक पुरस्कारों द्वारा मान्यता प्राप्त कार्य, सार्वजनिक जीवन में मुख्य नैतिक मूल्यों को दर्शाते हैं। चर्चा कीजिए।

उत्तर: जीवन रक्षा पदक पुरस्कार उन नागरिकों को सम्मानित करते हैं जो दूसरों को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

नैतिक आयाम (Ethical Dimensions):

- **परोपकारिता (Altruism):** बिना किसी पुरस्कार की अपेक्षा के निस्वार्थ सेवा।
- **साहस (Courage):** व्यक्तिगत जोखिम के बावजूद कार्य करना।
- **सहानुभूति (Empathy):** मानवीय पीड़ा के प्रति संवेदनशीलता।
- **सार्वजनिक जिम्मेदारी:** कानूनी बाध्यता से परे नैतिक कर्तव्य का पालन करना।

सिविल सेवाओं के लिए प्रासंगिकता:

- शासन में करुणा को बढ़ावा देता है।
- नैतिक नेतृत्व को प्रोत्साहित करता है।
- सामाजिक विश्वास को मजबूत करता है।

ऐसी मान्यता समाज में नैतिक व्यवहार को सुदृढ़ करती है और नागरिकों को स्वार्थ से परे कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।

करेंट अफेयर्स (पर्यावरण और अर्थव्यवस्था)

प्रश्न 5 - पूर्वोत्तर भारत में अगरवुड (Agarwood) की खेती एक स्थायी आजीविका विकल्प के रूप में उभरी है। इसकी आर्थिक क्षमता और पर्यावरणीय चिंताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

उत्तर: अगरवुड तब बनता है जब एक्विलारिया (Aquilaria) के पेड़ कवक संक्रमण (Fungal Infection) के जवाब में राल (Resin) पैदा करते हैं।

आर्थिक क्षमता:

- इत्र और अगरबत्ती के बाजारों में उच्च वैश्विक मांग।
- असम और पूर्वोत्तर भारत में किसानों की आय में वृद्धि।
- विनियमित CITES ढांचे के तहत निर्यात क्षमता।

पर्यावरणीय चिंताएँ:

- जंगली पेड़ों की अवैध कटाई।

- जैव विविधता की हानि।
- एकल-कृषि (Monoculture) वृक्षारोपण पर अत्यधिक निर्भरता।

आगे की राह:

- कृत्रिम टीकाकरण (Artificial Inoculation) तकनीकों को बढ़ावा देना।
- CITES अनुपालन को मजबूत करना।
- कृषि-वानिकी (Agroforestry) मॉडल को प्रोत्साहित करना।

इस प्रकार, अगरवुड हरित विकास (Green Growth) के लिए एक मॉडल पेश करता है यदि स्थिरता के सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित किया जाए।